an>

Title: Need to set up a fund to provide relief to Sugarcane growers during distress.

श्री राजू शेट्टी (हातकणंगले) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन और देश को अवगत कराना चाहता हूं कि पिछले सात चीना का उत्पादन जरूरत से ज्यादा होने के कारण केन्द्र सरकार ने चीनी मिलों को तकरीबन 40 लाख टन चीनी निर्यात करने के लिए कहा था और उसके लिए प्रोत्साहन के रूप में प्रति क्विंटल रु.400/- अनुदान देने का भी ऐसान किया था।

महोदया, केन्द्र सरकार की ओर से अभी तक यह राशि चीनी मिलों को प्राप्त नहीं हुई है। पिछले सात गन्ना उत्पादक किसानों को एफआरपी नहीं मिलने के कारण बहुत सारे राज्यों में आंदोलन हुए थे और विशेÂारूप से महाराष्ट्र में बहुत ज्यादा आंदोलन हुए थे। जब सरकार ने घाटे में चीनी मिलों को चीनी निर्यात करने के लिए कहा था, उस वक्त चीनी मिलों की तरफ से केन्द्र सरकार की ओर इशारा कर के कहा गया कि वह पैसा केन्द्र सरकार से मिलेगा और जो एफआरपी का बकाया पैसा था, उसमें से प्रति टन रु.40/- काट कर किसानों को दिया और किसानों से कहा गया कि केन्द्र सरकार की ओर से जो अनुदान आने वाला है, वह सीधे किसानों के एकाउंट में जाएगा, लेकिन वह अनुदान आज तक नहीं मिला है। इसके अन्तर्गत तकरीबन 360 करोड़ रुपए किसानों के बाकी हैं। अतः मैं आपके माध्यम से सरकार से विनती करता हूं कि वह तुरन्त इस राशि को किसानों के एकाउंट में जमा करे।

महोदया, मुझे एक दूसरी और मांग आपके माध्यम से सदन में उठानी है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : नहीं। सिर्फ एक ही मांग कर सकते हैं। कृपया अपना स्थान ग्रहण कीजिए।

माननीय अध्यक्ष: सर्वश्री भैरोंप्रसाद मिश्र, श्रीरंग आप्पा बारणे एवं कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री राजू शेट्टी द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।